PROJECT REPORT OF MINOR RESEARCH PROJECT

ON

"A STUDY OF CHILD LABOUR SCHOOLS OF DURG DISTRICT OF CHHATTISGARH STATE WITH SPECIAL REFERENCE TO INFRASTRUCTURE, STUDENTS ACADEMIC ACHIEVEMENT AND ATTITUDE OF STUDENTS AND THEIR PARENTS TOWARDS SCHOOL"

"छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में संचालित बाल श्रमिक शालाओं की आधारभूत संरचना, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यार्थी एवं पालकों का शाला के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन"

Submitted to UGC, CRO, BHOPAL

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

SUBMITTED BY

Dr. (Mrs.) MOHANA SUSHANT PANDIT
Principal Investigator

DEPARTMENT OF EDUCATION
BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA
HOSPITAL SECTOR, BHILAI NAGAR, DISTT. DURG (C.G.)

सारांश

संसार में किसी भी देश की प्रगति वहाँ के नागरिकों को प्राप्त होने वाली परिमाणात्मक तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर निर्भर करती है। शिक्षा को सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। शर्मा (2007) ने अपने लेख में लिखा है कि शिक्षा ही सभ्यता और संस्कृति की जननी है। शिक्षा, गरीबी को दूर करने का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। शिक्षा का प्रत्यक्ष संबंध रोजगार प्राप्ति से होता है। गोविंदा एवं बन्दोपाध्याय (2008) ने यह पाया कि शिक्षा से व्यक्ति का समग्र विकास होता है। शिक्षा द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण संभव है जिसके लिये शिक्षा की नींव मजबूत होनी चाहिये (शर्मा, 2008)। आजादी के बाद शिक्षा के लोकव्यापीकरण के लिये संविधान की 45वीं धारा में अनिवार्य शिक्षा की घोषणा की गयी। बाल श्रमिक समस्या को दूर करने तथा बाल श्रमिकों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये केन्द्र सरकार ने सन् 1987 में राष्ट्रीय बाल श्रम योजना प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बाल श्रमिकों को चिन्हित कर निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। इस योजना को छत्तीसगढ़ के सात जिलों में चलाया जा रहा है जिसमें 40 बाल श्रमिक शालायें दुर्ग जिले में संचालित हैं।

वर्तमान शोध में **"छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में संचालित बाल श्रमिक शालाओं की आधारभूत संरचना, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यार्थी एवं पालकों का शाला के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन"** किया गया हैं।

शोध का उद्देश्य

वर्तमान शोध का उद्देश्य केन्द्र शासन द्वारा संचालित बाल श्रमिक शाला की प्रभावकारिता का अध्ययन करना है। इस दृष्टि से इस शोध के लिये निम्नानुसार उद्देश्य रखे गये हैं:

1. बाल श्रमिक शाला का अध्ययन करना।
2. बाल श्रमिक शाला के आधारभूत संरचना का अध्ययन करना।
3. बाल श्रमिक शालाओं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।
4. बाल श्रमिक शाला विद्यार्थियों के शाला के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।

5. बाल श्रमिक शाला के विद्यार्थियों के पालकों के शाला के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।

शोध विधि प्रस्तुत अध्ययन में इन उद्देश्यों के अनुसार सर्वेक्षण प्रविधि का चयन किया गया है। अध्ययन में दुर्ग जिले की संपूर्ण बाल श्रमिक शालायें है। चयनित शालाओं में स्व–निर्मित शाला संसाधन प्रपत्र से शालाओं की आधारभूत संरचना की उपलब्धता की जानकारियॉ हासिल की गयीं। शालाओं में अध्ययनरत् कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित किया तथा स्व–निर्मित उपलब्धि परीक्षण से उनकी उपलब्धि ज्ञात करने के लिये प्रत्येक शाला के विद्यार्थियों के प्राप्त प्राप्तांकों का योग कर मध्यमान निकाला गया। इसी प्रकार कुल 40 शालाओं के 200 विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्यमान को ज्ञात किया गया। इसी प्रकार उन्हीं विद्यार्थी तथा उनके पालकों का शाला के प्रति दृष्टिकोण, स्व–निर्मित दृष्टिकोण प्रश्नावली के माध्यम से ज्ञात किया गया।

निष्कर्ष

1. वर्तमान अध्ययन से प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है कि बाल श्रमिक शालायें अपने संचालन के उद्देश्य में सफल रही हैं तथा साथ ही बाल श्रमिक परियोजना प्राथमिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

2. बाल श्रमिक शालाओं द्वारा ऐसे सभी बाल श्रमिक बच्चों को जिनकी शिक्षा प्राप्ति में अवरोध उत्पन्न हुआ है, पुनः समाज तथा शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकता है।

3. शाला संरचना के संदर्भ में शालाओं में मूलभूत सुविधाओं की कमी पायी गयी जिससे प्राथमिक शिक्षा का स्तर निम्न पाया गया। इसलिये सर्वप्रथम भौतिक संसाधनों की कमी को दूर करना चाहिये। अच्छी शाला व्यवस्था विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रभावित करती है।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धि के प्राप्त आँकड़ों से निष्कर्ष रूप यह सामने आया कि बाल श्रमिक शालाओं के विद्यार्थियों की उपलब्धि बढ़ाने के लिये सुविधाओं एवं संसाधनों में और भी वृद्धि की जानी चाहिये जिससे बालकों का मानसिक तथा अध्ययन स्तर बढ़ सके इससे निश्चित रूप से इनकी उपलब्धि पर प्रभाव पड़ेगा।

5. बालक की उपलब्धि अच्छी पायी गयी परन्तु दोनों प्रकार की शालाओं में शासन द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति करने पर बल दिया जाये ताकि बालक की उपलब्धि में और अधिक बढ़ोतरी हो सके।

6. बालक की उपलब्धि बढ़ाने के लिये शिक्षक को रोचक शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग करना चाहिये जिससे, बच्चे रूचिपूर्वक पढ़ेंगे तथा ग्राह्य क्षमता में वृद्धि होगी। इसका सीधा प्रभाव उनकी उपलब्धि पर पड़ेगा और इसमें भी बढ़ोतरी होगी।

7. बालक के शाला के प्रति दृष्टिकोण जानने के लिये स्व–निर्मित दृष्टिकोण प्रश्नावली से प्रश्न पूछे गये, निष्कर्ष स्वरूप बालक के शाला के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक मिला। अतः यह कहा जा सकता है कि बालकों में शिक्षा के प्रति सदैव लगाव होता है तथा यदि इस हेतु अनुकूल परिस्थितियॉ विकसित की जायें तो वह अवश्य ही शाला जाकर पढ़ेगा।

8. पालक के दृष्टिकोण में यह भी तथ्य सामने आया कि जो पालक शिक्षकों से वार्तालाप करते हैं तथा अपनी समस्याओं से अवगत कराते हैं ऐसे पालकों की समस्याओं के समाधान में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो बालक के हित में होता है। अतः शालाओं में पालक समिति का गठन अनिवार्य रूप से करना चाहिये।

9. शाला के प्रति दृष्टिकोण के निष्कर्ष से यह ज्ञात हुआ है कि अगर माता–पिता, शिक्षक, प्राचार्य, शिक्षाधिकारी आदि की नियमित बैठक करायी जाये तो शिक्षा के विकास में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को विकसित किया जा सकता है। एकजुट होकर शिक्षा के स्तर के उन्नयन का प्रयास किया जाना चाहिये।

10. शाला में पालक की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाना चाहिये क्योंकि कई शोधों से प्राप्त निष्कर्षों में यह पाया गया है कि पालक की सहभागिता का शाला की गुणवत्ता, बच्चों की उपलब्धि आदि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

11. शोध निष्कर्ष से यह भी ज्ञात हुआ है कि बाल श्रमिक शालाओं के पाठ्यक्रम में ऐसे नवीनतम एवं प्रभावी व्यवसायिक प्रशिक्षण तथा सृजनकौशल प्रशिक्षण का अधिकाधिक समावेश करना चाहिये जिससे बच्चे शिक्षा पूर्ण करने के बाद स्व–रोजगार प्राप्त कर सकें।

12. शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करके बच्चों में शाला के प्रति आकर्षण निर्माण करना चाहिये। सार्थक और संवेदनशील शाला व्यवस्था ही बाल श्रम समस्या का एक प्रमुख हल है।

13. बाल श्रमिक परियोजना तथा राज्य शासन द्वारा आपसी समन्वय से प्राथमिक शालाओं में अधिक से अधिक संसाधन जुटाये जाने चाहिये जिससे प्रत्येक बालक पढ़ने हेतु शाला जाने के लिये उत्साहित तथा प्रेरित हो।

.....

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION - CENTRAL REGIONAL OFFICE,

Tawa Complex (Bittan Market), E-5, ARERA COLONY, BHOPAL-462 016
Ph. : 0755 – 2467418, 2467892, Fax. : 0755 – 2467893, web site : www.ugc.ac.in

F.No.:MH-89/202002/XII/13-14/CRO Date :

Code 202002

To
The Principal,
Bhilai Mahila Mahavidyalaya
Bhilai Nagar, Bhilai (C.G.)

Sub. : Financial Assistance for undertaking Minor Research Project by **Dr. Mohana Sushant Pandit Assistant Professor (Education)Bhilai Mahila Mahavidyalaya, Bhilai Nagar, Bhilai (C.G.)**in "A Study of Child Labour Schools of Drug distt. Of Chhatidgarh Sate with special reference to infrastructure,students academic achievement and attitude of students and their parents towards school."

Sir,

The Commission on the recommendations of the Selection Committee has approved the research project entitled in "A Study of Child Labour Schools of Drug distt. Of Chhatidgarh Sate with special reference to infrastructure,students academic achievement and attitude of students and their parents towards school." of by **Dr. Mohana Sushant Pandit Assistant Professor (Education) Bhilai Mahila Mahavidyalaya, Bhilai Nagar, Bhilai (C.G.)** in and has agreed to provide a grant of **Rs.145000/-.**

	Particular	Allocation		Grant being released	
NON RECURRING					
1.	Books & Journals	Rs.	40000.00	Rs.	40000.00
2.	Equipments	Rs.	0.00	Rs.	0.00
RECURRING					
3.	Travels, Field work	Rs.	60000.00	Rs.	30000.00
4.	Contingency	Rs.	45000.00	Rs.	22500.00
5.	Chemical & Glassware	Rs.	0.00	Rs.	0.00
6.	Special Needs	Rs.	0.00	Rs.	0.00
	TOTAL	Rs.	145000.00	Rs.	92500.00

I am directed to convey the sanction of the Commission for Payment of **Rs. 92500/-** as first installment to The Principal, **Bhilai Mahila Mahavidyalaya, Bhilai Nagar, Bhilai (C.G.)**under following terms and condition.

113

1. The effective date of implementation of the Project will be the date of receipt of fund by the institution.
2. The tenure for the Minor Research Project will be 2 years [illegible]
3. On receipt of this letter the Principal Investigator must sign and return the Acceptance Certificate as enclosed duly countersigned by the Principal within 3 month of issue of this letter, failing which the approval should stand withdrawn.
4. In case, the grant is not settled within six months from the date of completion of the project, the same will lapse and no representation will be entertained on this behalf and Principal Investigator has to refund the whole grant.
5. Principal Investigator may undertake only one project at a time under UGC funding either by the UGC, H.O., New Delhi or by the C.R.O., Bhopal. The letter of undertaking enclosed may be sent to this office immediately after receiving this sanction. Failure to the submission of this and also in running two parallel projects funded by the UGC (Regional Office/Main Office at New Delhi), the Principal Investigator will be held solely responsible and have to refund the amount as and when it comes to the notice, of the authorities.
6. **The College shall maintain proper accounts of the expenditure out of the Grants which shall be utilised only on approved item of expenditure as per detailed in XII Plan Guidelines.**

BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA

HOSPITAL SECTOR, BHILAI NAGAR (C.G.) 490 009
Affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
Recognized Under Section 2(f) and 12(B) of the UGC Act 1956

Ph : 0788-2242699
0788-2210078
Website : www.bmmbhilai.com

No. BMM/2015/760

Date : 01/02/2017

College Code- 202002

To,

The Educational Officer & Incharge
U.G.C., C.R.O.,
Tawa Complex (Bittan Market),
E-5 Areara Colony,
Bhopal.

File No. **MH--89/202002/XII/13-14/CRO** dated 08/09/2014.

Subject: Submission of Final Minor Research Project Report.

Respected Sir,

I am pleased to submit two copies of final report of the Minor Research Project sanctioned by C.R.O., Bhopal vide the above referred letter on **"A STUDY OF CHILD LABOUR SCHOOLS OF DURG DISTRICT OF CHHATTISGARH STATE WITH SPECIAL REFERENCE TO INFRASTRUCTURE, STUDENTS ACADEMIC ACHIEVEMENT AND ATTITUDE OF STUDENTS AND THEIR PARENTS TOWARDS SCHOOL"**

Thanking you,

Yours faithfully,

01/02/17
Dr.Mohana Sushant Pandit
Principal Investigator

Zehra Hasan 04/02/17
Dr. Zehra Hasan
Principal
Bhilai Mahila Mahavidyalaya

College Code- 202002

To,

The Educational Officer & Incharge
U.G.C., C.R.O.,
Tawa Complex (Bittan Market)
E-5 Arera Colony, Bhopal.

File No. MS- F.No: **MH--89/202002/XII/13-14/CRO** dated 08/09/2014.

Subject: Submission of Final Minor Research Project Report.

Respected Sir/Madam,

With regards, I am thankful to U.G.G., C.R.O., Bhopal for approving my project (MINOR RESEARCH PROJECT) F.No: **MH--89/202002/XII/13-14/CRO** dated 08/09/2014. (letter attached) & releasing first installment of the grant sanctioned (letter attached).

Sir, further it is to top mention that the concerned letter was received in the college and project work started from

This is to request you, please sanction second installment of the project as early as possible.

Please find final two copies of summary, spiral bind project reports, CD and details of Expenditure statement. Bills and Audit Reports will be submitted within one month. This is for your information and necessary action please

Thanking you

Yours sincerely,

Dr.Mohana Sushant Pandit
Principal Investigator

BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA

HOSPITAL SECTOR, BHILAI NAGAR (C.G.) 490 009
Affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
Recognized Under Section 2(f) and 12(B) of the UGC Act 1956

Ph : 0788-2242699
0788-2210078
Website : www.bmmbhilai.com

No. BMM / 2017 / 86

Date : 01/02/17

To,

The Educational Officer & Incharge,
U.G.C., C.R.O.,
Tawa Complex (Bittan Market),
E-5 Areara Colony,
Bhopal.
File No. **MH--89/202002/XII/13-14/CRO** dated 08/09/2014.

Subject: Submission of Final Minor Research Project Account.

Respected Sir,

I am pleased to submit two copies of final report of the Minor Research Project sanctioned by C.R.O., Bhopal vide the above referred letter on "**A STUDY OF CHILD LABOUR SCHOOLS OF DURG DISTRICT OF CHHATTISGARH STATE WITH SPECIAL REFERENCE TO INFRASTRUCTURE, STUDENTS ACADEMIC ACHIEVEMENT AND ATTITUDE OF STUDENTS AND THEIR PARENTS TOWARDS SCHOOL**"

The UGC proforma vide Annexure II, III, V and VI (duly filled), Utilization Certificate, Statement of expenditure incurred on Field work, Books and Expenditure detail and original bills are also being submitted.

Thanking you,

Yours faithfully,

Dr. Mohana Sushant Pandit
Principal Investigator

Zehra Hasan 01/02/17
Dr. Zehra Hasan
Principal
Bhilai Mahila Mahavidyalaya

Enclosure: 1. Annexure II, III, V and VI (duly filled).
2. Utilization Certificate.
3. Statement of expenditure incurred on Field work.
4. Certificate of Books.
5. Expenditure detail and original bills of expenditure.

BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI – 110 002.

Annual/Final Report of the work done on the Major/Minor Research Project. (Report to be submitted within 6 weeks after completion of each year)

1. Project report No. 1st /2nd /3rd /Final **FINAL**

2. UGC Reference No. F.No: **MS-89/202002/XII/14-15/CRO,** dated **08/09/14**
   Period of report: from **01/09/2014 to 30/08/2016**

Title of research project allotted to **Dr. Mohana Sushant Pandit** as Principal Investigator on the topic "**A Study of Child Labour Schools of Durg District of Chhattisgarh State with special reference to Infrastructure, Students Academic Achievement and Attitude of Students and their Parents towards School.**"

(a) Name of the Principal Investigator: **Dr. Mohana Sushant Pandit**
Deptt. and University/College where work has progressed
Education Department, Bhilai Mahila Mahavidyalaya, Hospital Sector, Bhilai

(b) Effective date of starting of the project - **01/10/2014**

3. Grant approved and expenditure incurred during the period of the report:
   a. Total amount approved- Rs. 1,45,000/-
   b. Total expenditure - Rs. 92,635/-
   c. Report of the work done: (Please attach a separate sheet)

i. Brief objective of the project - **ENCLOSURE 1**

ii. Work done so far and results achieved and publications, if any, resulting from the work Give details of the papers and names of the journals in which it has been published or accepted for publication - **ENCLOSURE 2**

iii. Has the progress been according to original plan of work and towards achieving the objective? if not, state reasons: **Yes**

iv. Please indicate the difficulties, if any, experienced in implementing the project-
Nil

(b) If project has not been completed, please indicate the approximate time by which it is likely to be completed. A summary of the work done for the period (Annual basis) may please be sent to the Commission on a separate sheet.

4. **Completed, Period 01/10/2014 to 30/11/2016**

Summary ENCLOSURE 3

v. If the project has been completed, please enclose a summary of the findings of the study. Two bound copies of the final report of work done may also be sent to the Commission –

Submitted

vi. Any other information which would help in evaluation of work done on the project. At the completion of the project, the first report should indicate the output, such as (a) Manpower trained (b) Ph. D. awarded (c) Publication of results (d) other impact, if any

NIL

Zehra Hasan

SIGNATURE OF THE PRINCIPAL

REGISTRAR/PRINCIPAL
INVESTIGATOR

BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA

HOSPITAL SECTOR, BHILAI NAGAR (C.G.) 490 009
(Managed by Bhilai Education Trust)
(Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg)
Recognized Under Section 2(f) and 12(B) of the UGC Act 1956
NAAC Accredited with B Grade

Ph : 0788-2242699
0788-2242078
Website : www.bmmbhilai.com

No. BMM / 2017/860 Date : 01/02/17

MINOR RESEARCH PROJECT

MS-89/202002/XII/13-14/CRO Bhopal

TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

This is to certify that all the books which were purchased by Dr. Mohana Sushant Pandit for her Minor Research Project MS-89/202002/XII/13-14/CRO Bhopal, dated 08/09/2014. Titled "A Study of Child Labour Schools of Durg District of Chhattisgarh State with special reference to Infrastructure, Students Academic Achievement and Attitude of Students and their Parents towards School. " have been submitted in the college.

Rekha Hasa

Dated-

Principal

Bhilai Mahila Mahavidyalaya

SUMMARY OF EXPENDITURE STATEMENT

File No :MH /89/202002/XII/13-14/CRO
Principal Investigator : Dr.MohanaSushant Pandit
Period of utilization from : 08/09/14 to 07/09/16

S.NO	ITEMS	AMOUNT APPROVED (Rs.)	EXPENDITURE INCURRED (Rs.)
1.	BOOKS AND JOURNALS	40,000	39,533 /-
2.	CONTINGENCY	22,500	22,702 /-
3.	TRAVEL AND FIELD WORK	30,000	30,400 /-
	TOTAL	**92,500**	**92,635**